सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 310 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 18 दिसम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

सभी बुरे कार्य मन के कारण उत्पन्न होते हैं. अगर मन परिवर्तित हो जाये तो क्या अनैतिक कार्य रह सकते हैं?
-भगवान गौतम बुद्ध

अश्विन का इंटरनेशनल क्रिकेट से... 7 | प्रियंका के अंदाज से चढ़ा सियासी... 3 | नांगलोई क्षेत्र के आप के उम्मीदवार... 2

अंबेडकर का अपमान करके फंस गये अमित शाह, पूरे देश में मचा हंगामा

संसद में कांग्रेस ने उठाया मुद्दा, बीजेपी पर किए तीखे प्रहार

विपक्ष का आरोप- गृह मंत्री ने किया बाबा साहब का अपमान

» पूछा- अंबेडकर का नाम लेना क्या गलत है

» बाबा साहब पर कटाक्ष करके फजीहत करा दी गृह मंत्री शाह ने

» भाजपा के छूटे पसीने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संविधान पर बहस के दौरान राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भाषण में बाबा साहेब अंबेडकर के प्रयोग को लेकर विपक्ष ने आपत्ति जताते हुए संसद व देशभर में भारी हंगामा किया। इस बयान पर राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि गृहमंत्री ने बाबा साहेब अंबेडकर और संविधान का अपमान किया है।

मनुस्मृति और आरएसएस की उनकी विचारधारा यह स्पष्ट करती है कि वह बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान का सम्मान नहीं करना चाहते हैं। हम इसकी निंदा करते हैं और उनके इस्तीफे की मांग करते हैं। उन्हें देश के लोगों से माफी मांगनी चाहिए...उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। वहीं लोकसभा में आंबेडकर मुद्दे पर विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया। जिसके बाद लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही दोपहर दो बजे तक स्थगित हो गई। राज्यसभा में भी इस मुद्दे पर खूब नारेबाजी हुई, जिसके बाद राज्यसभा भी स्थगित कर दी गई।

अंबेडकर का नाम लेना फैशन सरीखा हो गया है : शाह

कांग्रेस पार्टी पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने निशाना साधते हुए कहा था कि अंबेडकर का नाम लेना पार्टी के लिए फैशन सरीखा हो गया है। अमित शाह ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा अभी एक फैशन हो गया है। अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी इस बात से खुश है कि कांग्रेस अंबेडकर का नाम ले रही है, लेकिन पार्टी को अंबेडकर के प्रति अपनी वास्तविक भावनाओं के बारे में भी बोलना चाहिए।

मनुस्मृति को मानने वालों को अंबेडकर जी से बेशक तकलीफ होगी : राहुल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई कांग्रेस नेताओं ने अमित शाह की टिप्पणी पर विरोध जताया और उनपर निशाना साधा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि मनुस्मृति को मानने वालों को अंबेडकर जी से तकलीफ बेशक होगी ही।

कांग्रेस ने बाबा साहब के जिंदा रहते कभी उनका सम्मान नहीं किया : रिजिजू

विपक्ष के हंगामे के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सफाई दे रहे हैं। रिजिजू ने कहा कि अमित शाह ने बाबा साहेब का अपमान नहीं किया। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस ने उनके जिंदा रहते कभी उनका सम्मान नहीं किया।

कांग्रेस के लोग अंबेडकर का अपमान नहीं सहेंगे : प्रमोद

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, डॉ. बीआर अंबेडकर जी संविधान के निर्माता हैं, संविधान उन्होंने बनाया है ऐसी परिस्थिति में जिस तरह से गृह मंत्री अमित शाह ने अपमानजनक भाषा में कहा है वो अक्षम्य है। कांग्रेस के लोग डॉ. बीआर अंबेडकर का अपमान नहीं सहेंगे।

अंबेडकर भगवान के समकक्ष हैं : वेणुगोपाल

कांग्रेस महासचिव एवं संगठन प्रभारी के सी वेणुगोपाल ने भी शाह की टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर लिखा, गृह मंत्री, यदि आप नहीं जानते तो बता दूं कि बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर भगवान के समकक्ष हैं और उनके द्वारा तैयार किया गया संविधान दुनिया भर के करोड़ों लोगों के लिए पवित्र पुस्तक है। डॉ. अंबेडकर के बारे में इतने तिरस्कार के साथ बोलने की आपकी हिम्मत कैसे हुई? डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के प्रति भाजपा की घृणा हमेशा से जगजाहिर रही है और आज राज्यसभा में गृह मंत्री के दयनीय बयान से यह और पुष्टि होती है कि वे डॉ. अंबेडकर से कितनी नफरत करते हैं उन्होंने कहा, मनुस्मृति के उपासक हमेशा अंबेडकर के प्रति घृणा रखेंगे, जिन्होंने जातिवादी आरएसएस व उनकी मनुस्मृति द्वारा प्रचारित भयानक विचारों को खारिज कर दिया था।

फिर साबित हो गया भाजपा-आरएसएस तिरंगे के खिलाफ हैं : खरगे

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबासाहेब अंबेडकर के अपमान ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भाजपा-आरएसएस तिरंगे के खिलाफ थे, उनके पूर्वजों ने अशोक चक्र का विरोध किया था। संघ परिवार के लोग पहले दिन से ही भारत के संविधान के बजाय मनुस्मृति को लागू करना चाहते थे। खरगे ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर जी ने ऐसा नहीं होने दिया, इसीलिए उनके प्रति इतनी नफरत है।

शाह को माफी मांगनी चाहिए : जयराम

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शाह की टिप्पणी को घृणित बताते हुए कहा कि अंबेडकर के खिलाफ भाजपा-आरएसएस की नफरत इस बयान से सामने आती है। कांग्रेस नेता ने कहा,नफरत इतनी है कि उन्हें उनके नाम से भी चिढ़ होती है। ये वही लोग हैं जिनके पूर्वज बाबा साहेब के पुतले जलाते थे, जो खुद बाबा साहेब द्वारा दिए गए संविधान को बदलने की बात करते थे। जनता ने उन्हें सबक सिखा दिया है, इसलिए अब वे बाबा साहब का नाम लेने वालों से नाराज हैं। जयराम रमेश ने कहा, शर्मनाक! अमित शाह को इसके लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

नांगलोई क्षेत्र के आप के उम्मीदवार का करेंगे समर्थन : अखिलेश यादव

» सपा के ऐलान से कांग्रेस उम्मीदवार को झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव के आम आदमी पार्टी (आप) को समर्थन देने के ऐलान से कांग्रेस के नांगलोई क्षेत्र के उम्मीदवार रोहित चौधरी की रणनीति को झटका लगा है। यह फैसला उनके चुनावी गणित के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

खासतौर पर यादव मतदाताओं को साधने की उनकी योजना को झटका लगा है। बताया जा रहा है कि रोहित चौधरी की योजना थी कि वह सपा विधायक पंकज मलिक और सपा सांसद हरेंद्र मलिक की मदद से नांगलोई क्षेत्र में यादव समुदाय के करीब 15 प्रतिशत मतदाताओं का समर्थन जुटाएंगे। पंकज मलिक, रोहित चौधरी के जीजा और उत्तर प्रदेश के चरथावल विधानसभा क्षेत्र से सपा विधायक हैं और हरेंद्र मलिक उनकी बहन के ससुर और मुजफ्फरनगर से सपा के सांसद हैं।

नांगलोई में यादव मतदाता अहम

नांगलोई विधानसभा क्षेत्र में यादव समुदाय का करीब 15 प्रतिशत वोट बैंक है, जो चुनाव के नतीजों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। रोहित चौधरी की रणनीति थी कि वह अखिलेश यादव की एक सभा आयोजित कराकर यादव मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करेंगे, लेकिन अखिलेश के आप को समर्थन देने के बाद यह संभावना लगभग खत्म हो गई है।

अखिलेश यादव के आप को समर्थन देने के ऐलान ने रोहित चौधरी के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। इसका सीधा असर उनके अभियान पर पड़ सकता है, क्योंकि उनके रिश्तेदारों के लिए खुलकर उनकी मदद करना राजनीतिक तौर पर जटिल हो जाएगा। सपा के शीर्ष नेतृत्व का फैसला उनके रिश्तेदारों को असमंजस की स्थिति में डाल सकता है, क्योंकि उनके लिए पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर कांग्रेस उम्मीदवार का समर्थन करना आसान नहीं रहेगा। हालांकि, रोहित चौधरी इस स्थिति के बावजूद आत्मविश्वास जताते हुए कहते हैं कि उनके रिश्तेदार अपना पारिवारिक फर्ज निभाएंगे और उनकी मदद के लिए आगे आएंगे। उन्होंने कहा कि राजनीति अपनी जगह है, लेकिन रिश्ते अपनी जगह। मेरे जीजा पंकज मलिक और हरेंद्र मलिक मुझे समर्थन देंगे और मेरे चुनाव प्रचार में शामिल होंगे।

अल्पमत में है मोदी सरकार : शिवपाल यादव

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव उत्तर प्रदेश विधानसभा शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन विधानसभा पहुंचे। इस मौके पर शिवपाल यादव ने कहा कि कल केंद्र सरकार अल्पमत में आ गई। 272 मत चाहिए थे 269 मत पड़े वन नेशन वन इलेक्शन के मुद्दे पर। शिवपाल यादव ने कहा कल की वोटिंग के हिसाब से केंद्र सरकार अल्पमत में है। कांग्रेस के प्रदर्शन पर शिवपाल यादव ने कहा हम इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं और हम इंडिया गठबंधन के साथ हैं । केशव मौर्य के बयान पर शिवपाल यादव ने कहा भारतीय जनता पार्टी की राजनीति यही है की फूट डालो और राज करो। प्रदेश में भ्रष्टाचार व्याप्त है कानून व्यवस्था जीरो है लेकिन ये लोग बेवजह की बातें करते हैं।

तेज प्रताप ने ली शपथ

यूपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन की शुरुआत में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने करहल विधानसभा से नवनिर्वाचित सदस्य तेज प्रताप यादव को विधानसभा की सदस्यता की शपथ दिलाई।इसके बाद उन्होंने उपचुनाव में अन्य नवनिर्वाचित सदस्यों का सदन के बाकी सदस्यों से परिचय कराया। इनमें फूलपुर से दीपक पटेल, मझवां से सुचिस्मिता मौर्य, मीरापुर से मिथिलेश पाल, कटेहरी से धर्मराज निषाद, खैर से महेंद्र दिलेर और सीसामऊ से नसीम सोलंकी शामिल थीं।

सही तथ्य नहीं बताए गए पीएम को : डोटासरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» मोदी के भाषण से कांग्रेस को निराशा

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज्य के दौरे पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल के बाद प्रधानमंत्री से प्रदेशवासियों को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन उन्होंने कोई नई सौगात नहीं दी, जिससे जनता को निराशा हुई है। डोटासरा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के भाषणों में तथ्यहीन बातें शामिल थीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने हनुमानगढ़ और चूरू जिलों में नर्मदा का पानी उपलब्ध कराने की बात कही, जबकि नर्मदा का पानी केवल जालौर और उसके आसपास के क्षेत्रों में पेयजल के रूप में उपयोग हो रहा है।

इससे स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री को सही तथ्य नहीं बताए गए। डोटासरा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी) को लेकर चुनावी वादा किया था कि इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया जाएगा, लेकिन अब तक ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर भाजपा ने झूठे वादे किए। हरियाणा की तुलना में राजस्थान में पेट्रोल-डीजल आज भी 11 रुपये महंगा है। डोटासरा ने कांग्रेस सरकार के समय की परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इंदिरा गांधी नहर परियोजना के तहत खेतड़ी, सुजानगढ़, लक्ष्मणगढ़, नीमकाथाना और अन्य क्षेत्रों में पेयजल परियोजनाओं के लिए कांग्रेस शासन में 8,700 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी गई थी। यह कार्य कांग्रेस सरकार के समय में शुरू हो गए थे, लेकिन प्रधानमंत्री ने इन्हें अनदेखा करते हुए नर्मदा पानी का झूठा दावा किया।

प्राविधिक शिक्षा मंत्री की भूमिका की जांच के लिए सीएम को लिखा पत्र

» आजाद अधिकार सेना ने लगाया डी फार्मा कॉलेजों को एनओसी देने में अनियमितता का अरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल पर एकबार फिर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगें हैं। इसबार डी फार्मा कालेजों को ग्रांट देने व एनओसी देने को लेकर ये आरोप लगें है। उधर इसकी शिकायत आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने सीएम से की है।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा है कि चूकि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार कालेजों को मानकों के अनुसार प्राविधिक शिक्षा विभाग से एनओसी ली जाती है। ये एनओसी डीएम की कमेटी द्वारा लिया जाता है। 1238 डी फार्मा कालेजों को अनुमति दी गई थी। 679 को एनओसी मिली जबकि 531 को अनुमति नहीं दी गई। पर बाद में इन्हें गलत तरीकों से अनुमति मिल गई। अनियमिमता की शिकायत पर शासन से तीन सदस्यीय कमेटी द्वारा इसे जांचा गया तो 531 में 427 पूरी तरह अनफिट मिले। इसमें लगभग 115 अधिकारी व कर्मचारी भी संदिग्ध पाए गए। इससे पहले प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशिष पटेल पर प्राविधिक शिक्षा विभाग की प्रोन्नति में भी भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। इसको लेकर कई राजनीतिक दलों ने प्रदर्शन भी किया था। जन अधिकार सेना के अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर इस मुद्दे को भी उठाया था। उन्होंने सीएम को पत्र लिखकर मंत्री की भूमिका जांच रिटायर्ड जज से करवा कर उन पर उचित कार्रवाई करने की मांग भी की है। श्री ठाकुर ने बताया कि प्राविधिक शिक्षा विभाग में नियुक्ति होने वाले अध्यापक के पद 100 प्रतिशत लोक सेवा आयोग द्वारा भरे जाते हैं। साथ इसके लिए उन्हें पीएचडी होना जरूरी है या फिर उसे बी टेक या एमटेक डिग्री धारक को 15 साल का अनुभव होना चाहिए। श्री ठाकुर ने कहा 9 दिसंबर 24 को 177 अध्यापकों को विशेष सचिव प्राविधिक शिक्षा अजीज अहमद के हस्ताक्षर से निगर्त प्रोन्नति पत्र दिए गए वह नियम विरुद्ध हैं।

नौजवानों पर लाठियां बरस रहीं और नीतीश सरकार मूक दर्शक बनी है : तेजस्वी यादव

» पेपर लीक और अफसरशाही पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एकबार फिर बिहार की एनडीए सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने राज्य में परीक्षा पेपर लीक, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दों को उठाते हुए सरकार की विफलताओं पर निशाना साधा। साथ ही उन्होंने सत्ता में आने पर महिला सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय से जुड़े कई बड़े वादे किए।

तेजस्वी यादव ने कहा कि जब से राजद ने एनडीए सरकार से अलग होकर विपक्ष की भूमिका निभाई है, बिहार में एक भी परीक्षा बिना पेपर लीक के आयोजित नहीं हुई है। मैट्रिक से बीपीएससी तक के प्रश्न पत्र लगातार लीक हो रहे हैं। उद्घाटन से पहले पुल गिरने की घटनाएं हो रही हैं। अफसरशाही बेलगाम है और सरकार इसे रोकने में असफल रही है। उन्होंने सरकार पर नौजवानों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार नौजवानों पर लाठियां बरसाती है और मूक दर्शक बनी रहती है।

बिहार में सरकार आने पर माई बहिन मान योजना शुरू करेंगे

तेजस्वी यादव ने घोषणा की कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है, तो 'माई-बहिन मान योजना' लागू की जाएगी। इस योजना के तहत हर महिला को 2500 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे। राज्य के सभी नागरिकों को 200 यूनिट बिजली मुफ्त उपलब्ध कराई जाएगी। सामाजिक सुरक्षा पेंशन को वर्तमान 400 रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपये किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम बिहार की हर महिला को सशक्त बनाना चाहते हैं। हमारा मकसद केवल आर्थिक न्याय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय भी सुनिश्चित करना है।

कार्यकर्ता संवाद यात्रा से विचारधारा को मजबूत करेंगे

तेजस्वी ने कहा कि वह पार्टी के कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम के तहत विभिन्न जिलों का दौरा कर रहे हैं। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य पार्टी के विचारधारा को मजबूत करना और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की समस्याओं को समझना है। उन्होंने कहा कि बिहार में गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा और पलायन सबसे बड़ी समस्याएं हैं। हमारी सरकार ने 17 महीने के कार्यकाल में इन समस्याओं के समाधान की दिशा में काम किया था। आशा, ममता और टोला सेवकों का मानदेय दोगुना किया गया, जो सामाजिक और आर्थिक न्याय की दिशा में एक कदम था।

केंद्र से राज्य के दर्जा बहाली पर करेंगे चर्चा : उमर अब्दुल्ला

» अमित शाह से आज करेंगे मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला बुधवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर राज्य का दर्जा शीघ्र बहाल करने सहित कई प्रमुख मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद से उमर की गृहमंत्री के साथ यह दूसरी बैठक होगी।

अपनी पहली मुलाकात के दौरान सकारात्मक आश्वासन मिला था। पहले आश्वासन मिला था कि केंद्र सरकार जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल करने

के अपने वादे को पूरा करेगी। केंद्र सरकार ने बार-बार राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया है। इस पर कुछ नहीं हो पाया है। गृहमंत्री के साथ अपनी मुलाकात के दौरान उमर राज्य के दर्जे के अलावा दोहरे नियंत्रण के प्रशासनिक मुद्दों पर भी चिंता जता सकते हैं। जम्मू-कश्मीर में व्यापार को बढ़ावा देने पर भी मंथन हो सकता है।

प्रियंका के अंदाज से चढ़ा सियासी पारा!

संसद में नए-नए बैग लेकर पहुंचने पर रार

- भाजपा ने खोया आपा कांग्रेस पर भड़की
- आने वाले समय और निखरेगी कांग्रेस नेता की सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जबसे प्रियंका गांधी सांसद बनी हैं वह भाजपा व पीएम मोदी को घेरने का कोई भी मौका नहीं छोड़ती है। वर्तमान में संसद में शीतकालीन सत्र चल रहा है। संविधान पर चर्चा चल रही है। अपने भाषणों से भी वह सरकार को परेशान कर रही हैं। कुल मिलाकर प्रियंका पूरी तरह से सियासी रूप से और ताकतवर बनने की ओर हैं। उनके सदन में आने से जहां विपक्ष में उत्साह आ रहा है वही सत्ता पक्ष के पेशानी पर बल पड़ने लग जा रहे हैं। इस समय वह संसद में अपने बैगों को लेकर चर्चा में है। 16 दिसंबर को वह पहले फिलिस्तीन लिखे बैग के बाद, अब 17 दिसंबर को बांग्लादेश के हिंदुओं और ईसाइयों के साथ खड़े हो लिखे बैग के साथ संसद पहुंचीं, इसको लेकर राजनीति भी होने लगी है।

जहां भाजपा ने इस कृत्य को कांग्रेस पर तुष्टिकरण करने का आरोप लगाया है, जबकि प्रियंका ने इसे अपना निजी मामला बताया है। हालांकि सियासी गलियारें में इसे प्रियंका का नई तरीके राजनीति करना बताया जा रहा है। रणनीतिकारों का कहना है इस तरह के स्टाइल से प्रियंका जहां सरकार को तो असहज कर ही रहीं है वह आमजन को भी अपनी ओर जोड़ने का प्रयास कर रही है। अब आने वाला समय बताएगा कि प्रियंका की राजनीति को जनता पसंद करती हे या नकार देता है। प्रियंका गांधी सोशल मीडिया पर लगातार इजरायल के हमलों का विरोध करती रही हैं। उन्होंने मारे गए लोगों, बच्चों और महिलाओं की दुर्दशा पर भी प्रकाश डाला है। उन्होंने इजरायली कार्रवाई को नरसंहार भी बताया है। मीडिया के एक सवाल पर प्रियंका ने कहा कि वे कहते हैं कि सांसद ऐसा नहीं कर सकते। अब कौन तय करेगा कि मैं क्या कपड़े पहनूं? यह विशिष्ट पितृसत्ता है कि आप तय करते हैं कि महिलाएं क्या कपड़े पहनें। मैं इससे सहमत नहीं हूं। मैं वही पहनूंगी जो मैं

कपड़े पहनना उनका निजी मामला : प्रियंका गांधी

प्रियंका गांधी का मानना है कि कपड़े पहनना उनका निजी मामला है और कोई भी उन्हें यह नहीं बता सकता कि उन्हें क्या पहनना है और क्या नहीं। उन्होंने अपने बैग के ज़रिए फिलिस्तीन के साथ एकजुटता दिखाई है। बीजेपी ने इसे तुष्टिकरण बताया है। यह मामला अब राजनीतिक रंग ले चुका है। देखना होगा कि आगे इस पर क्या प्रतिक्रियाएं आती हैं। प्रियंका गांधी लगातार फिलिस्तीन के समर्थन में आवाज़ उठाती रही हैं और इजरायल की कार्रवाई की निंदा करती रही हैं।

दो बैगों से निकाला समर्थन का तरीका

आज लोकसभा में कांग्रेस की वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी अपने साथ एक और बैग लेकर पहुंचीं। देखने और बनावट में आज वाला बैग कल वाले बैग जैसा ही था, लेकिन इस बार संदेश दूसरा था। आज वाले बैग में लिखा है, बांग्लादेश के हिंदुओं और ईसाइयों के साथ खड़े हो प्रियंका ने इस बैग के साथ बकायदा फोटो भी क्लिक करवाई है।प्रियंका गांधी 16 दिसंबर को संसद में एक बैग लेकर पहुंचीं, जिस पर बड़े अक्षरों में फिलिस्तीन लिखा था। इस बैग पर फिलस्तीन के प्रतीक चिन्ह भी थे,साथ ही एक कबूतर भी बना था जो शांति का प्रतीक है। प्रियंका ने फिलिस्तीन और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध में शांति की अपील की है। इस युद्ध में हजारों लोगों की जान जा चुकी है। प्रियंका गांधी की इस हरकत पर बीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

कांग्रेसी तुष्टिकरण का बैग लेकर चलते हैं, देशभक्ति का नहीं : पात्रा

बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि गांधी परिवार के लिए तुष्टिकरण कोई नई बात नहीं है। नेहरू से लेकर प्रियंका गांधी तक,वे हमेशा तुष्टिकरण का बैग लेकर चलते हैं, देशभक्ति का नहीं। यही बैग उनकी हार का कारण है। बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कांग्रेस को नई मुस्लिम लीग बताया। उन्होंने प्रियंका गांधी को राहुल गांधी से भी बड़ा संकट कहा। उन्होंने कहा कि सर्दियों के सत्र के अंत में कांग्रेस के लिए दो मिनट का मौन रखा जाना चाहिए। मालवीय ने एक्स पर लिखा कि उन्हें लगता है कि संसद में फिलिस्तीन के समर्थन में बैग लेकर चलना पितृसत्ता के खिलाफ लड़ाई है। मुसलमानों के प्रति सांप्रदायिक तुष्टिकरण अब पितृसत्ता के खिलाफ रुख के रूप में दिखाया जा रहा है। कोई गलती न करें,कांग्रेस नई मुस्लिम लीग है।

विस चुनाव से पहले गरमाएगी दिल्ली की सियासत

- सीएजी रिपोर्ट पर वार-पलटवार
- उपराज्यपाल ने आप सरकार से विस पटल पर रिपोर्ट रखने को कहा
- दिल्ली सरकार से जुड़े 14 रिपोर्ट डेढ़ साल से लंबित
- भाजपा और कांग्रेस भी खोलेगी मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक (सीएजी) की लंबित 14 रिपोर्ट का मामला गरमा सकता है। दिल्ली सरकार से जुड़े 14 सीएसी रिपोर्ट डेढ़ साल तक लंबित रहे।

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिख कर दिल्ली विधानसभा की विशेष बैठक बुलाने की बात कही है। साथ ही, इन्हें सदन के पटल पर रखने को कहा है। दिल्ली सरकार ने कुछ दिन पहले ही एलजी से इन रिपोर्ट को सदन में रखने की मंजूरी मांगी थी। सरकार की मांग पर एलजी ने उक्त रिपोर्ट को पटल पर रखने की मंजूरी दी। साथ ही अपनी शक्ति का प्रयोग करते हुए इन्हें विशेष सत्र बुलाने को कहा है। उम्मीद की जा रही है कि इन रिपोर्ट को लेकर दिल्ली में राजनीति गरमा सकती है। भाजपा लगातार इस विषय को मुद्दा बनाकर दिल्ली सरकार को घेर रही है। भाजपा का दावा है कि इन रिपोर्ट में दिल्ली सरकार की कई अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। इस विषय को लेकर भाजपा ने सदन के अंदर और बाहर प्रदर्शन किया।

आप का हमला- चुनाव आते ही बीजेपी करने लगती है ड्रामा

दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तैयारियों जोरों पर हैं। इसी बीच आम आदमी पार्टी और भाजपा एक दूसरे पर निशाना साध रही हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने भाजपा पर निशाना साधा है। सीएम आतिशी ने कहा कि भाजपा झुग्गी में जाने का ड्रामा कर रही है। सीएम आतिशि ने कहा कि उन्हें (भाजपा) वोट मत देना क्योंकि पांच साल के लिए वो आपकी जरूरतों को पूरा नहीं करेंगे। अरविंद केजरीवाल ने पांच सालों में आपकी जरूरतों को पूरा करेंगे। उन्होंने फ्री बिजली, फ्री पानी, सरकारी स्कूलों में अच्छी शिक्षा, मोहल्ला क्लीनिक में फ्री इलाज ले रहा है। अरविंद केजरीवाल ऐसे नेता हैं जो झुग्गी में रहने रहने वाले लोगों की फिक्र करते हैं। झुग्गी झुपड़ी वाले लोग भाजपा नेताओं से संभल कर रहें। क्योंकि वे आपकी झुग्गी तोड़ेंगे और आपका वोट भी काट देंगे। इसी बीच आम आदमी पार्टी के जंगपुरा से उम्मीदवार मनीष सिसोदिया ने एक बार फिर कानून व्यवस्था को लेकर केंद्र पर निशाना साधा। मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली के लोगों ने अरविंद केजरीवाल को स्कूल, बिजली, अस्पताल पर काम करने की जिम्मेदारी दी थी। उन्होंने सरकारी अस्पतालों पर काम किया और उन्हें बेहतर बनाया। अब 24 घंटे बिजली आती है, बिजली का बिल शून्य है, सरकारी स्कूल अब शानदार हैं। आगे कहा कि उन्होंने अरविंद केजरीवाल को जो भी जिम्मेदारियां दी थी, उन्होंने उन्हें बखूबी निभाया। वहीं दूसरी ओर दिल्ली के लोगों ने अमित शाह और भाजपा को कानून व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी दी। लेकिन उनके पद पर रहते हुए क्या हुआ? कानून व्यवस्था बिगड़ गई, हत्याएं हो रही हैं। गोलीबारी हो रही है। इसलिए, लोगों को लगता है कि अमित शाह कानून व्यवस्था को संभालने में असमर्थ हैं।

सरकार तुरंत बुलाए सत्र : एलजी

एलजी ने अपने पत्र में कहा कि संवैधानिक दायित्व का पालन सुनिश्चित करने के लिए बिना समय गंवाए दिल्ली सरकार तुरंत सत्र बुलाएं। बता दें कि दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल फरवरी में पूरा हो रहा है। इस चुनाव को लेकर जनवरी या दिसंबर में चुनाव का ऐलान हो सकता है। ऐसे में विधानसभा का सत्र बुलाने के लिए दिल्ली सरकार को जल्द फैसला लेना होगा। एलजी ने अपनी शक्ति का प्रयोग करते हुए तुरंत इस सत्र को बुलाने की बात कही है।

सीएजी की रिपोर्ट स्वीकृत

उपराज्यपाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया कि शराब शुल्क, प्रदूषण और वित्त से संबंधित सीएजी रिपोर्ट स्वीकृत हैं। उन्होंने कहा चर्चा के लिए विधानसभा की तत्काल विशेष बैठक बुलाई जानी चाहिए। अदालत ने याचिका का निपटारा करते हुए कहा जिस उद्देश्य से याचिका दायर की गई थी वह पूरा हो गया है। उपराज्यपाल का यह रुख विपक्षी नेताओं की याचिका पर आया है, जिसमें मांग की गई है कि संवैधानिक आदेश के अनुसार राज्य सरकार की ओर से सीएजी रिपोर्ट विधानसभा के समक्ष रखी जाए। उपराज्यपाल की ओर से दायर अतिरिक्त हलफनामे में कहा गया है कि वित्त मंत्री ने मामले में अनुचित देरी की है, जिससे विधानसभा और आम जनता को सरकार के कार्यकारी कार्यों की जांच करने के उनके अधिकार से वंचित किया गया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बुनियादी सुविधाओं से रोका जा सकता है नक्सलवाद!

सरकार ने दावा किया है 2026 तक नक्सलवाद की समस्या, खत्म हो जाएगी। पर सच में क्या ऐसा होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि इस समस्या के जड़ में सबसे बड़ी जो रुकावट हे वह है सरकारी नीतियां। सरकार की कुछ ऐसी नीतियां हैं जो जर, जमीन व जंगल को नुकसान पहुंचा रहे ये नक्सली इसी को बचाने के लिए हिंसा तक पर उतारू हो जाते हैं। हालांकि नक्सलियों के इस तरीके को सही नहीं ठहराया जा सकता है। पर इन सबसे इतर सरकारों को चाहिए नक्सलियों को आत्मसमपर्ण कराकर उनको मुख्य धारा में जोड़ा जाए तथा उनका उपयोग सकारात्म भूमिका में किया जाए इससे देश को लाभ ही मिलेगा। बतादें भारत में माओ के विचारों को चारू मजूमदार और कानू सान्याल ने आगे बढ़ाया। जो ये मानते थे कि गरीबों को उनका हक दिलाने के लिए सरकार का बंदूक और बारूद के सहारे विरोध करना चाहिए और सरकार को बदल देना चाहिए। हरेक इंसान को अपने जीवन में कुछ बुनियादी चीजों मसलन, भोजन-कपड़ें और घर के साथ साथ बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अपने अधिकारों के साथ सम्मान पूर्वक जीवन जीने की चाह रखता है। अगर कोई सरकार अपने लोगों की इन बुनियादी चीजों को पूरा न कर पाए तो लोग अपनी ही सरकार के विरोधी हो जाते हैं।

यहीं से इन विद्रोही लोगों के मन में अलगाव की भावना पैदा होती है। अक्सर ये भावना देश में अलगाववाद और उग्रवाद को जन्म देती है। नक्सली कहिए, नक्सलबाड़ी कहिए या फिर नक्सलवाद और हां अंग्रेजी का नक्सलिज्म भी। ये सारे शब्द सुनकर जेहन में क्या आता है? गोली-बारूद से थड़थड़ाते जंगल, हथियार लिए कुछ लोग, बारूदी सुरंगें या मिट्टी या खून से सने जवान। 1967में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से एक ऐसे आंदोलन की शुरुआत की जिसके पीछे पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के संस्थाक माओ त्से तुंग का विचार था। माओ त्से का मानना था कि राजनीतिक सत्ता बंदूक की नली से निकलती है। वो कहते थे कि राजनीति रक्तपात रहित युद्ध है और युद्ध रक्त पात युक्त राजनीति है। केंद्र और राज्य सरकार देश को नक्सलमुक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार का दावा है कि 31 मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ और देश से नक्सलवाद का पूर्णत: खात्मा हो जाएगा। जब छत्तीसगढ़ नक्सल मुक्त हो जाएगा तो पूरा देश इस समस्या से निजात पा लेगा। पिछले एक साल में छत्तीसगढ़ जैसे राज्य ने नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कि राज्य में पिछले एक साल में 287 नक्सलियों को ढेर किया गया, 1,000 को गिरफ्तार किया गया और 837 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। कुल मिलाकर सरकारों को नक्सलियों को बातचीत के जरिये सही रास्ते पर लाने के प्रयास करने होंगे।

“ सरकार की कुछ ऐसी नीतियां हैं जो जर, जमीन व जंगल को नुकसान पहुंचा रहे ये नक्सली इसी को बचाने के लिए हिंसा तक पर उतारू हो जाते हैं। हालांकि नक्सलियों के इस तरीके को सही नहीं ठहराया जा सकता है। पर इन सबसे इतर सरकारों को चाहिए नक्सलियों को आत्मसमपर्ण कराकर उनको मुख्य धारा में जोड़ा जाए तथा उनका उपयोग सकारात्म भूमिका में किया जाए इससे देश को लाभ ही मिलेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

हर थाप में थी भावनाओं की गहराई

विवेक शुक्ला

उस्ताद जाकिर हुसैन का एक चित्र महान कत्थक नृतक बिरजू महाराज के राजधानी के शाहजहां रोड के फ्लैट में ड्राइंग रूम में लगा हुआ था। उसमें उस्ताद जाकिर हुसैन और बिरजू महाराज खिलखिला रहे हैं। उसे देखकर बिरजू महाराज कहते थे, उस्ताद जाकिर हुसैन से बेहतर तबला वादक अब कोई पैदा नहीं होगा। ये दोनों ही अपनी-अपनी कलाओं के महारथी थे, और जब वे साथ में प्रस्तुति करते, तो एक जादुई माहौल बन जाता था। उस्ताद जाकिर हुसैन की मृत्यु से सारा देश उदास है। उस्ताद जाकिर हुसैन अपनी अद्भुत तकनीक और तबले पर महारत के लिए सदैव याद किए जाएंगे। उनकी लय और ताल की समझ अविश्वसनीय थी। वे जटिल तालों को भी सहजता से बजाते थे, जिससे संगीत में एक अलग ही रंगत आ जाती थी। जाकिर हुसैन का संगीत सिर्फ तकनीकी कौशल तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भावनाओं की गहराई भी है। उनकी हर थाप में एक कहानी छिपी होती है, जो दर्शकों के दिलों को छू जाती है।

वो फरवरी का महीना था और साल था 2012 । दिल्ली में जाड़ा पड़ रहा था। उस दिन राजधानी के शास्त्रीय संगीत के रसिया नेहरू पार्क का रुख कर रहे थे उस्ताद जाकिर हुसैन के जादू को देखने के लिए। उस्ताद जाकिर हुसैन ने अपनी उंगलियों और हथेलियों से ऐसी ध्वनियां निकालीं, जो पहले कभी नहीं सुनी गईं थीं। दरअसल उस दिन तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन ने नेहरू पार्क में शिव कुमार शर्मा के साथ जुगलबंदी पेश की थी। करीब सैकड़ों संगीत प्रेमियों के बीच जब दोनों उस्तादों ने तान छेड़ी तो फिर जो समां बंधा, उसे कौन शब्दों में बयां कर सकता है। करीब दो घंटे की जुगलबंदी में दोनों उस्तादों ने अपने चाहने वालों की भरपूर तालियां बटोरीं। अफसोस कि उस जुगलबंदी के दोनों उस्ताद अब संसार में नहीं रहे। उस्ताद जाकिर हुसैन दिल्ली में बीती आधी सदी से भी अधिक समय से अपने कार्यक्रम दे रहे थे। भारतीय संगीत को उनके खास अंदाज की वजह से अतंर्राष्ट्रीय पहचान मिली थी। उन्होंने दिल्ली में दर्जनों कंसर्ट पेश किए।

जाकिर हुसैन ने कमानी सभागार में 2019 में एक यादगार प्रस्तुति दी थी। मौका था श्रीराम कला केन्द्र के संस्थापक लाला चरत राम की याद में आयोजित एक कार्यक्रम का। उसमें श्रीराम कला केन्द्र की प्रमुख शोभा दीपक सिंह ने बताया था कि जाकिर हुसैन श्रीराम कला केन्द्र के कार्यक्रमों में अपने पिता उस्ताद

अल्लाह रखा खान के साथ आते थे। जाकिर हुसैन ने जब दिल्ली के कमानी सभागार में प्रस्तुति दी, तो वह एक अविस्मरणीय शाम थी। उनके तबले की गूंज पूरे सभागार में गूंजी व दर्शक मंत्रमुग्ध हुए। कला मर्मज्ञ डॉ. रविन्द्र कुमार उस्ताद के निधन का समाचार सुनकर कहने लगे, जाकिर हुसैन का कोई सानी नहीं था। उनकी उंगलियां तबले पर ऐसे चलती थी जैसे कोई जादू हो। उनकी लयकारी व ताल की समझ अद्भुत थी। वे हर ताल को नए अंदाज में पेश करने में माहिर थे। उस्ताद जाकिर हुसैन की लय पर पकड़ अद्भुत थी। उनकी उंगलियां तबले पर इस तरह नाचती थीं कि हर ताल और लय स्पष्ट और सटीक होती थी। वह पारंपरिक तबला वादन में तो माहिर थे ही, साथ ही उन्होंने अपनी तकनीक में कई नए तत्वों को भी जोड़ा। वे विभिन्न प्रकार की तालों और लय में कुशलता से तबला बजाते थे। उनकी गति अविश्वसनीय थी। वे बहुत तेज गति से तबला बजा सकते थे, लेकिन उनकी सटीकता और स्पष्टता कभी कम नहीं होती। जाकिर हुसैन सिर्फ तबला नहीं बजाते थे, बल्कि संगीत के साथ संवाद करते थे। वे अन्य संगीतकारों के साथ मिलकर शानदार संगीत बनाते थे। उनके तबला वादन में गहरी भावनाएं होती थीं। वे अपनी कला से खुशी, दुख, उत्साह और शांति जैसे विभिन्न भावों को व्यक्त कर सकते थे । वे भारतीय शास्त्रीय संगीत के साथ-साथ जैज और फ्यूजन संगीत में भी माहिर थे। उन्होंने विभिन्न संस्कृतियों के संगीत को एक साथ मिलाकर एक नई शैली बनाई। जाकिर हुसैन ने कई युवा तबला वादकों को प्रेरित किया। उन्होंने तबला वादन को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाया। वे हमेशा कुछ नया करने की कोशिश करते थे। उन्होंने तबले वादन के क्षेत्र में कई नए प्रयोग किए और इस कला को आगे बढ़ाया।

वे दुनिया के सबसे प्रसिद्ध और सम्मानित तबला वादकों में से एक थे। उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार और सम्मान जीते हैं। इतने बड़े कलाकार होने के बावजूद, जाकिर हुसैन बहुत ही सरल और विनम्र स्वभाव के व्यक्ति थे। वे अपने संगीत के प्रति पूरी तरह से समर्पित थे और हमेशा सीखने के लिए तैयार रहते थे। वे अपने संगीत और दर्शकों के प्रति गहरा प्यार रखते थे। वे दर्शकों के सवालों के जवाब देते थे, उनसे बतियाते थे। उस्ताद जाकिर हुसैन को भारत और दुनियाभर में बसे उनके चाहने वाले सदैव याद रखेंगे।

गिग अर्थव्यवस्था में बढ़ते जॉब्स के साथ चुनौतियां

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों पूरे देश में गिग अर्थव्यवस्था में नौकरियां एक बड़ी चुनौती के रूप में दिखाई दे रही हैं। हाल ही में फोरम फॉर प्रोग्रेसिव गिग वर्कर्स द्वारा भारत की गिग अर्थव्यवस्था पर आयोजित एक वेबिनार में भारत की गिग अर्थव्यवस्था पर श्वेत पत्र प्रकाशित किया गया है। इसमें कहा गया है कि भारत में गिग अर्थव्यवस्था वर्ष 2024 तक 17 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़कर 455 अरब डॉलर के स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है। श्वेत पत्र के अनुसार भारत के जीडीपी में गिग अर्थव्यवस्था का योगदान वर्ष 2030 तक 1.25 प्रतिशत के स्तर पर होगा। गौरतलब है कि देश में सरकारी क्षेत्र की नौकरियों में कमी आ रही है, लेकिन गिग अर्थव्यवस्था में रोजगार के मौके छलांगें लगाकर बढ़ रहे हैं। गिग अर्थव्यवस्था का मतलब है अनुबंध आधारित या अस्थायी रोजगार (गिग वर्क वाली अर्थव्यवस्था।

गिग अर्थव्यवस्था के तहत गिग वर्कर प्रोजेक्ट-दर-प्रोजेक्ट आधार पर काम करते हैं और सेवाएं देते हैं। कोविड-19 के बाद डिजिटलीकरण के प्रसार ने गिग अर्थव्यवस्था को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। जहां शहरी क्षेत्रों में गिग वर्कर को अभी तक कंस्ट्रक्शन, मैन्यूफैक्चरिंग, डिलिवरीज जैसे श्रम आधारित और कम योग्यता आधारित कार्यों से जोड़कर देखा जाता रहा है, वहीं अब गिग वर्किंग के मौके व्हाइट कॉलर जॉब में भी बढ़ रहे हैं, जहां उच्च स्तर के कौशल और शिक्षा की जरूरत होती है। काम के ऐसे मौके ई-कॉमर्स, फिनटेक, हेल्थटेक, लॉजिस्टिक्स, आतिथ्य, बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहे हैं। खास बात यह कि गिग अर्थव्यवस्था के तहत अब महिलाएं भी पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं। जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ावा मिल रहा है। महिलाओं की भागीदारी गिग अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में दिख रही है। चाहे मार्केटिंग हो या फाइनेंस, महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं। महिलाएं इस समय फ्रीलांसिंग में भी सबसे ज्यादा दिलचस्पी दिखा रही हैं।

उल्लेखनीय है कि गिग अर्थव्यवस्था में रोजगार के मौके बढ़ने के संबंध में नीति आयोग के आंकड़े भी महत्वपूर्ण हैं। नीति आयोग के मुताबिक देश में इस समय 77 लाख गिग कर्मी हैं। ऐसे कर्मियों की संख्या तेजी से बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। इसका कारण है कि गिग कर्मियों की व्यवस्था फिलहाल केवल शहरी क्षेत्र में ही है और मुख्य रूप से ये सेवा क्षेत्र में सक्रिय हैं। मगर अब इनका दायरा बढ़ेगा तो गिग कर्मियों की संख्या में भी बढ़ोतरी होगी। नीति आयोग के आकलन के अनुसार भारत में गिग वर्कर्स की संख्या 2030 तक बढ़कर करीब 2.3 करोड़ हो जाएगी। देश में टियर-2 और टियर-3 शहरों में गिग अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। खासतौर से मुंबई, दिल्ली, पुणे, बेंगलूरु, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, इंदौर और चेन्नई सहित देश के छोटे-बड़े शहरों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष गिग नौकरियां निर्मित होती दिखाई दे रही हैं।

देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और रोजगार से संबंधित विषयों पर प्रकाशित हो रही विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि देश में गिग अर्थव्यवस्था के कारण विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर में तेजी से कमी आ रही है और रोजगार के मौके बढ़ रहे हैं। चूंकि गिग कर्मचारी अक्सर संगठित और असंगठित श्रम के बीच ग्रे जोन में आते हैं, जिससे लाभ और संसाधन प्रभावित होते हैं, इसलिए प्लेटफॉर्म कंपनियां तेजी से गिग श्रमिकों के लिए बेहतर कामकाजी परिस्थितियों को प्राथमिकता दे रही हैं। इसके तहत मॉनसून के दौरान टिकाऊ रेनकोट प्रदान करने से लेकर आराम करने के क्षेत्र की स्थापना और गर्मी के मौसम के दौरान पानी की सुविधा शामिल हैं। खासतौर से अमेजॉन, फ्लिपकार्ट, ज़ोमैटो और स्विगी जैसी कंपनियां अपने कर्मचारियों के कल्याण के परिप्रेक्ष्य में सक्रिय रूप से व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए दिखाई दे रही हैं। फिर भी अभी देश में गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा पर पूर्ण रूप से ध्यान दिया जाना होगा। खासतौर से हमें गिग-वर्कर्स के लिए भविष्य निधि और पेंशन और बीमा संबंधी कवरेज और लाभों के बारे में सोचना होगा।

इस परिप्रेक्ष्य में नीति आयोग ने 'इंडियाज बूमिंग गिग एंड प्लेटफॉर्म इकोनॉमी' शीर्षक से जो रिपोर्ट लॉन्च की है, उसके तहत अन्य बातों के साथ ही गिग वर्कर्स और उनके परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा उपायों का विस्तार करने की सिफारिश की गयी, जिसमें बीमा और पेंशन जैसी योजनाएं शामिल हैं। यद्यपि देश में गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 (संहिता) अधिनियमित हो चुकी है लेकिन अभी तक प्रभावी नहीं है। यह संहिता सरकार को जीवन और विकलांगता कवर, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य और मातृत्व लाभ, वृद्धावस्था सुरक्षा और क्रेच लाभ प्रदान करने के लिए गिग श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएं तैयार करने में सक्षम बनाती है। देश में गिग वर्कर्स के लिए ऐसी योजनाएं-नीतियां बीमा कंपनियों के साथ साझेदारी में आगे बढ़ानी होंगी, जिसमें एक फर्म या सरकार के सहयोग द्वारा विशिष्ट रूप से ऐसा डिजाइन हो, जैसा कि सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के तहत परिकल्पित है। कई देशों में गिग वर्कर्स को 'वर्कर्स' के रूप में वर्गीकृत करके जो मॉडल स्थापित किया गया है, उस पर ध्यान दिया जाना होगा। यह वर्गीकरण गिग वर्करों के लिये न्यूनतम वेतन, सवेतन अवकाश, सेवानिवृत्ति लाभ योजना और स्वास्थ्य बीमा सुरक्षित करता है।

बच्चों को जल्दी सुलायें बढ़ेगी ग्रोथ हार्मोन

वयस्क मनुष्यों में रात के समय हार्मोन का लेवल बढ़ने लगता है (जीएच) रिलीज के नियंत्रण योग्य उन्नयन के लिए एक नई तकनीक में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले यौगिकों एसिटाइल-एल-कार्निटाइन (500 मिलीग्राम) और एल-ऑर्निथिन (25-100 मिलीग्राम) के सेवन के बीच तालमेल शामिल है। जिसे 3 से 4 घंटे के उपवास के बाद रात के समय लिया जाता है। सामान्य हाइपोथैलेमिक जीएच रिलीज के लिए सेट पॉइंट में सिस्टमिक एसिटाइल-एल-कार्निटाइन स्तरों द्वारा नियंत्रित पूरे शरीर माइटोकॉन्ड्रियल स्टेट 3 स्थिति फीड बैक लूप शामिल है।

गहरी नींद में जाते हैं तो चेंजेज होते हैं हार्मोनल

ग्रोथ हार्मोन का लेवल नॉन-आरईएम नींद के तीसरे चरण के दौरान सबसे अधिक होता है, जो बच्चे के गहरी नींद में जाने के तुरंत बाद होता है। यही कारण है कि बच्चों के लिए जल्दी सो जाना महत्वपूर्ण है ताकि वे पर्याप्त गहरी नींद ले सकें और ग्रोथ हार्मोन का उत्पादन अधिकतम कर सकें। अन्य कारक जो बच्चों को बढ़ने में मदद कर सकते हैं, उनमें शामिल हैं। एक्सरसाइज, तैराकी, बास्केटबॉल या वॉलीबॉल जैसी नियमित शारीरिक गतिविधि ग्रोथ हार्मोन के स्तर को अनुकूलित करने में मदद कर सकती है। कैल्शियम कैल्शियम से भरपूर आहार बच्चों की हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है। दूध बच्चों के लिए कैल्शियम और एनर्जी एक अच्छा सोर्स है। एक अच्छे ग्रोथ के लिए सही नींद बहुत जरूरी होती है क्योंकि यह हाइपोथैलेमिक-पिट्यूटरी-एड्रेनल अक्ष को कंट्रोल करती है। जो ग्रोथ हार्मोन रिलीज को नियंत्रित करती है। गहरी नींद के दौरान, ग्रोथ हार्मोन ऊतक की मरम्मत और पुनर्जनन, मांसपेशियों और हड्डियों के विकास और प्रतिरक्षा प्रणाली की मजबूती में मदद करता है।

बच्चे के सही विकास के लिए पोषण जरूरी

विकास की गति हार्मोन, आनुवंशिकी और, जैसा कि आपने अनुमान लगाया होगा, पोषण के नाजुक अंतर्क्रिया द्वारा प्रेरित होती है। जबकि कुछ पोषक तत्व, जैसे कैल्शियम और फास्फोरस, हड्डी और ऊतकों के निर्माण खंड बनाते हैं। जैसे विटामिन डी और जिंक, विनियामक भूमिका निभाते हैं, एबट में एक शोध वैज्ञानिक जेनिफर विलियम्स बताते हैं।

बच्चों के भोजन में हो भरपूर कैलोरी

इस समय के दौरान यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि आपके बच्चे की कैलोरी, प्रोटीन, विटामिन और खनिजों का सेवन स्वस्थ विकास का समर्थन करता है। विलियम्स आपके बच्चे के आहार में विभिन्न प्रकार के स्वस्थ खाद्य पदार्थों और पोषक तत्वों को शामिल करने के लिए दैनिक पोषण दिशानिर्देशों का उपयोग करने की सलाह देते हैं। नियमित रूप से प्रत्येक खाद्य समूह से नए खाद्य पदार्थ देने से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि बच्चे को विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं।

ग्रोथ स्पर्ट की करें पहचान

बच्चों के विकास पर नज़र रखते समय, आपको कई बातों पर ध्यान देना चाहिए। जैसे- वह हमेशा भूखा रहता है। विकास से जुड़ी पोषण संबंधी बढ़ती ज़रूरतों के साथ आपके बच्चे को ग्रोथ स्पर्ट से पहले और उसके दौरान भूख लगने की संभावना होगी। जो औसतन 24 से 36 महीने तक रह सकती है। सुनिश्चित करें कि ये अतिरिक्त कैलोरी स्नैक्स और मिठाइयों के बजाय संपूर्ण, पौष्टिक रूप से घने खाद्य पदार्थों से आ रही है।

हंसना मना है

चिंटू: हाथ में खुजली होने पर रुपये आते हैं? मिंटू: अगर हाथ में खुजली हो तो समझ जाना कि खुजली की बीमारी हुई है, रुपये नहीं आते उसके लिए कड़ी मेहनत का काम करना पड़ता है... खुजाने से अगर रुपये आते तो भालू और बंदर सबसे ज्यादा रुपये वाले होते!

चिंटू: मैं तीर्थ यात्रा पर जा रहा हूं सोच रहा हूं दारू छोड़ दूं। मिंटू: यह तो बहुत अच्छी बात है इसमें सोचने की क्या जरूरत। चिंटू: पर मेरे सारे दोस्त कमीने हैं किसके पास छोडूं!

एक बार मिंटू डॉक्टर के पास गया। डॉक्टर: कौन सा ग्रुप है आपका? मिंटू: जी नादां परिंदे, डॉक्टर: ब्लड ग्रुप पूछ रहा हूं व्हाटसएप के कीड़े।

पिता (बेटे से): एक जमाना था जब मैं सिर्फ 5 रुपये में ही किराना, दूध, सब्जी और नाश्ता लेकर आता था। बेटा: अब संभव नहीं है पिताजी, क्योंकि अब हर जगह सीसीटीवी कैमरा लगा होता है!

पत्नी ने अपने पति को फोन लगाया पत्नी: कहां हो? ऑफिस पहुंच गए क्या? पति: अरे मेरा कार से एक्सीडेंट हो गया है मेरी टांग टूट गई है, अस्पताल जा रहा हूं पत्नी: अच्छा ठीक है, जाओ टिफिन का ध्यान रखना टेढ़ा ना हो जाए नहीं तो दाल गिर जाएगी!

कहानी — कुशल-ककड़ी

एक विद्वान परिवार में सात भाई और एक बहन थी। परिवार का सबसे बड़ा भाई बहुत ही शीलवान और गुणी था। उसने अपने काल की अनेक विद्याओं का अच्छा ज्ञान प्राप्त किया था। जब उसके माता-पिता की मृत्यु हो गई तो उसने संयास वरण करने का निश्चय किया। भाई के आदर्शों पर चलने वाले उसके छोटे बहन-भाई भी उसका अनुकरण करना चाहते थे। उनके साथ ही उनकी सेवा-टहल के लिए उनका एक नौकर और एक नौकरानी भी हो ली। उन लोगों ने वन में एक जलाशय के किनारे अपनी अलग-अलग कुटिया बनाई। फिर उन्होंने यह व्रत लिया कि दिनभर में वे केवल एक बार ही भोजन करेंगे और प्रत्येक पाँचवें दिन बड़े भाई के उपदेश सुनने के लिए इकट्ठा होंगे। नौकरानी उनके लिए प्रतिदिन कमल की ककड़ी जलाशय से निकाल आठ बराबर भागों में बाँट, दो लकड़ियों को बजा उन सभी को यह सूचना दिया करती थी कि उनका भोजन तैयार है। वे भाई-बहन उम्र के क्रम से आते और अपना हिस्सा उठा पुनः अपनी कुटिया में लौट जाते। हाँ, प्रत्येक पाँचवें दिन वे सभी बड़े भाई के उपदेश को सुनने अवश्य इकट्ठे होते थे। उनकी कठिन साधना को देख, परीक्षण हेतु एक शातिर शरारती प्रतिष्ठित धूर्त एक दिन वहाँ पहुँचा। उस दिन नौकरानी ने जब लकड़ियाँ बजा कर कुटिया-वासियों को यह संदेश दिया कि उनका भोजन तैयार है, तो प्रतिष्ठित धूर्त ने अदृश्य रुप से बड़े भाई के हिस्से की कमल-ककड़ी चुरा ली। बड़े भाई ने, जो सबसे पहले वहाँ पहुँचता था, जब अपने हिस्से की ककड़ी गायब देखी तो वह चुपचाप ही अपनी कुटिया को लौट गया। फिर शेष भाई-बहन आते गये और अपने हिस्से का भोजन लेकर अपनी-अपनी कुटिया को लौट गये। इस प्रकार पाँच दिनों तक प्रतिष्ठित धूर्त ने वैसा ही किया जिससे बड़ा भाई बिना भोजन किये ही साधना करता रहा और उसका स्वास्थ्य बिगड़ गया। पाँचवे दिन जब सारे भाई-बहन, नौकर-नौकरानी बड़े भाई के उपदेश सुनने इकट्ठे हुए तो वह बिल्कुल रुग्ण दीखा। उसके मुख से भी आवाज ठीक से नहीं निकल रही थी। कारण जानने के बाद सभी बड़े खिन्न हुए। फिर भी उन्होंने चोर की भर्त्सना नहीं की बल्कि उसकी मंगलकामना की। इसे सुनकर प्रतिष्ठित धूर्त लज्जित हुआ और उनसे क्षमा मांगी और बड़े भाई के शील-व्रत की विशेष प्रशंसा की।

6 अंतर खोजें

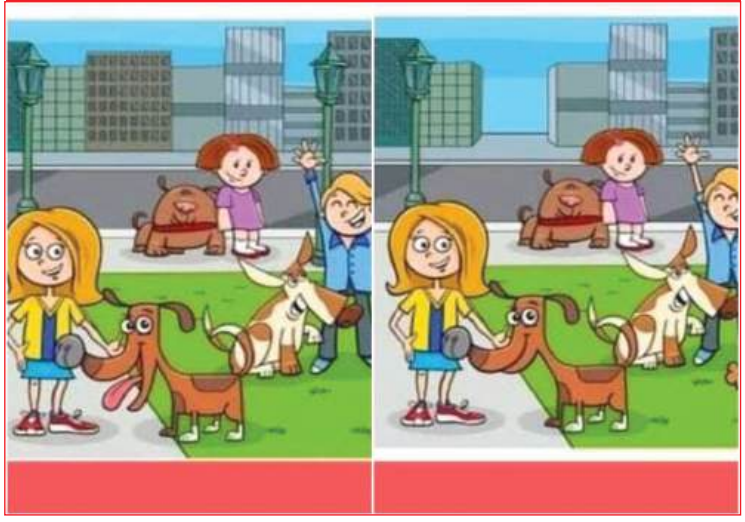

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। प्रमाद से बचें।

वृषभ — बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। बेचैनी रहेगी।

मिथुन — आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है।

कर्क — कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

सिंह — मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी।

कन्या — आज स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। व्यापार ठीक चलेगा।

तुला — प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

वृश्चिक — विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है।

धनु — दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा।

मकर — समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

कुम्भ — आज लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा।

मीन — अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है।

ओटीटी रिलीज हुई फिल्म डिस्पैच

क्राइम रिपोर्टर की भूमिका में नजर आये मनोज वाजपेयी

मनोज बाजपेयी को आज किसी इंट्रोडक्शन की जरूरत नहीं है। करीब 3 दशक से वह सिनेमा जगत पर अपनी उम्दा अदाकारी से राज कर रहे हैं। जब भी बात दिग्गज कलाकारों की आती है तो उनका नाम भी उस लिस्ट में शुमार होता है। हाल ही में, उनकी एक ऐसी फिल्म रिलीज हुई है जिसमें उन्होंने अपने इंटीमेट सीन्स से लोगों के होश उड़ा दिए हैं।

हम बात कर रहे हैं लेटेस्ट रिलीज मूवी डिस्पैच की। कनु बहल ने फिल्म का निर्देशन किया है और उसे रॉनी स्क्रूवाला ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में मनोज बाजपेयी और शहाना गोस्वामी लीड रोल में हैं। 13 दिसंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई यह फिल्म एक पत्रकार के इर्द-गिर्द घूमती है।

कहानी है क्राइम रिपोर्टर जॉय बाग की जो स्टोरी के लिए किसी भी हद तक गुजरने

के लिए तैयार है। प्रिंट के पत्रकारों को डिजिटल पर खबरों को पब्लिश करने का जो प्रेशर था, वो भी फिल्म में दिखाने की कोशिश की गई है। जॉय बाग एक तरफ अपनी पर्सनल लाइफ में परेशान है और दूसरी ओर पत्रकारिता की दुनिया में स्टोरी ढूंढने के लिए उसे दिन-रात एक करना पड़ता है। एक रोज वह कहानी के चलते क्राइम की दुनिया में छुपे एक बड़े राज को खोजने में जुट जाता है और वह इस जाल में फंसता चला जाता है। कहा जा रहा है कि मनोज बाजपेयी स्टारर यह फिल्म जाने-माने पत्रकार जे डे की कहानी पर आधारित है जिसकी 2011 में हत्या कर दी गई थी। खैर, हम इसकी पुष्टि नहीं करते हैं।

न्यूड सीन्स से मनोज बाजपेयी ने किया हैरान

मनोज बाजपेयी ने फिल्मी दुनिया में कई तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन पहली बार उनका बोल्ड अवतार देखने को मिला है। डिस्पैच में उनके इंटीमेट सीन्स और न्यूड सीन ने दर्शकों को दंग कर दिया है। ऐसा पहली बार है, जब अभिनेता ने किसी फिल्म में न्यूड सीन दिया हो। अभिनेता अपनी परफॉर्मेंस पर छाए हुए हैं। लोगों ने उनके काम को पसंद किया है, लेकिन फिल्म को मिला-जुला रिव्यू मिला है। IMDb पर इसे 10 में से सिर्फ 5 रेटिंग मिली है।

बॉलीवुड | मन की बात

यदि मैं ऐक्टर नहीं बनता तो पत्रकार या नेता होता : राजपाल

भूल भुलैया 3 का छोटा पंडित अब जल्द ही पर्दे पर एक बार फिर से सबको हंसा-हंसाकर लोटपोट करने के लिए लौट रहे हैं। अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर राजपाल यादव कार्तिक आर्यन के बाद अब जल्द ही पर्दे पर वरुण धवन के साथ एक बार फिर से जुगलबंदी करते हुए दिखाई देंगे। वह एटली के प्रोडक्शन में बनी एक्शन थ्रिलर फिल्म 'बेबी जॉन' में हवलदार की भूमिका में नजर आएंगे। एक मीडिया संस्थान के फिल्म फेस्टिवल के मौके पर उन्होंने अपनी आगामी फिल्म और निजी जीवन से जुड़े कुछ अनुभव शेयर किए। उन्होंने कहा, शरीर में नौ रस हैं। आठों रस अगर किसी के फैन हैं तो वो हास्य के हैं। हास्य प्रेम पैदा करता है, ब्लड सर्कुलेशन ठीक करता है। सांस लेने के बाद अगर कोई रस सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, तो वह हास्य ही है। मेरी शुरुआत नुक्कड़ नाटक से रही है। अभिनय एक राह है। हर मोड़ पर बहुत अच्छे-अच्छे राहगीर मिले। कभी सलमान भाई के रूप में कभी शाह रुख भाई के रूप में, कभी बच्चन साहब के रूप में तो कभी अजय देवगन साहब के रूप में। सब राहगीरों के साथ बहुत कुछ सीखा क्योंकि अपने अंदर की राह को मैं बहुत प्यार करता हूं। उसके पीछे भी एक कारण ये था कि जंगल, जमीन, पर्यावरण, पहाड़ी के लिए भी कुछ करना चाहता था। नदियों के लिए काम करना चाहता था। मैंने इलेक्शन नहीं लड़ा था, बल्कि लोगों को लड़वाया था। पर 2020 में दादा पंडित देव प्रभाकर शास्त्री ने ब्रह्मलीन होने से पहले अभिनय पर फोकस करने का आदेश दे दिया। मैंने 1990 में निष्क्रिय भाव से राजनीति शुरू की थी क्योंकि अभिनय के बाद पसंदीदा सब्जेक्ट पॉलिटिक्स ही रहा है। अगर मैं अभिनेता नहीं होता तो पत्रकार या नेता होता, क्योंकि ये दोनों क्षेत्र भी अभिव्यक्ति वाले ही हैं।

'डकैत' में श्रुति हासन को मृणाल ठाकुर ने किया रिप्लेस

मृणाल ठाकुर आगामी एक्शन ड्रामा डकैत: ए लव स्टोरी में श्रुति हासन की जगह लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह जानकारी हासन के प्रोजेक्ट से बाहर होने की अफवाहों के बाद आई है। फिल्म में आदिवि शेष भी मुख्य भूमिका में हैं। कास्टिंग परिवर्तन के संबंध में एक आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।

हालांकि, शेष द्वारा साझा किए गए नए पोस्टर में मृणाल नजर आ रही हैं और यह फिल्म में उनके होने की पुष्टि करता है।

आदिवि शेष ने हाल ही में एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा की। इसने मृणाल ठाकुर के जरिए श्रुति हासन को रिप्लेस किए जाने की अटकलों को जन्म दे दिया है। उन्होंने सोमवार शाम पांच बजकर छह मिनट पर एक आधिकारिक घोषणा की और इशारा करते हुए लिखा, बचाया मैंने उसको, लेकिन छोड़ गई, वो कौन है, क्या है, कल पता चलेगा। इसके साथ ही उन्होंने समय का भी खुलासा किया। आदिवि की पोस्ट से जाहिर होता है कि सुबह साढ़े 11 बजे इस बात से पर्दा उठ जाएगा कि आखिर डकैत: ए लव स्टोरी की मुख्य अभिनेत्री कौन हैं।

पहले की रिपोर्टों से पता चला था कि श्रुति हासन ने निर्माताओं के साथ रचनात्मक मतभेदों के कारण यह फिल्म छोड़ दी थी। कुछ सूत्रों ने यह भी दावा किया कि फिल्म के निर्देशन पर शेष के नियंत्रण के कारण उन्होंने इसे करने से मना कर दिया। हालांकि, इन रिपोर्ट्स के बारे में श्रुति हासन या फिल्म निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

एक अन्य रिपोर्ट में सुझाव दिया गया कि श्रुति हासन और आदिवि शेष के सीन को हटा दिया जाएगा, और डकैत टीम वापस से अभिनेता और फिल्म की नई अभिनेत्री के साथ इन सीन को शूट करेगी। शेनिल देव द्वारा निर्देशित उनकी पहली फिल्म डकैत को तेलुगु और हिंदी में एक साथ फिल्माया जा रहा है।

पपीता किस देश का राष्ट्रीय फल है? भारत में होता है भरपूर

सामान्य ज्ञान या करंट अफेयर्स से संबंधित प्रश्नों और उत्तरों के नियमित अभ्यास से हमारे देश, विदेश और दुनिया का ज्ञान बढ़ता है। यह विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से लेकर घर-परिवार में बात करते हुए आपकी इज्ज़त बढ़ा देता है। सामान्य ज्ञान के अभ्यास में कई ऐसे तथ्य सामने आते हैं जिन्हें हम पहले से जानते हैं लेकिन कुछ नये तथ्य हमें आश्चर्यचकित कर देते हैं। आज हम आपको एक ऐसा ही तथ्य बताने जा रहे हैं, जो आप पहले नहीं जानते होंगे।

हम सभी जानते हैं कि पपीता सबसे पौष्टिक फलों में से एक है। विशेषज्ञों की सलाह मानते हुए भी हममें से लगभग सभी लोग कम या ज्यादा खाते हैं, चाहे हमें यह पसंद हो या नहीं। पपीता पाचन संबंधी परेशानियों को कम करने से लेकर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तक हर चीज में अच्छा काम करता है। विशेषज्ञों का कहना है कि पपीता बारह महीने उपलब्ध रहता है और यह शरीर को विषाक्त पदार्थों से मुक्त रखने में भी मदद करता है। ऐसे में नाश्ते में चाहे कुछ भी हो, बहुत से लोग उसके साथ पका पपीता खाना पसंद करते हैं। डॉक्टर तो कच्चा पपीता खाने की भी सलाह देते हैं। पौष्टिकता की इस खान की लोकप्रियता के बावजूद हम क्या जानते हैं कि यह पपीता किसी देश का राष्ट्रीय फल है? सवाल सुनकर आप भी सोच में पड़ गए होंगे। भले ही हमें पपीते के बारे में हजारों जानकारियां हों, लेकिन हममें से कोई नहीं जानता कि पपीता कहां का राष्ट्रीय फल है? उस देश का नाम क्या है? पपीता भारत में बहुत लोकप्रिय फल है। इस फल का उपयोग पकाकर और कच्चा दोनों तरह से किया जाता है। भारत के अधिकांश भागों में इस फल की खेती भी होती है। बावजूद इसके पपीता वास्तव में भारत का नहीं, बल्कि मलेशिया का राष्ट्रीय फल है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अकेले पपीता खाने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन कुछ खाद्य पदार्थों को पपीते के साथ नहीं खाना चाहिए। खासतौर पर जिसमें प्रोटीन ज्यादा होता है, मसलन दही, चाय, कॉफी, उच्च वसा वाले खाद्य पदार्थों के साथ पपीते को नहीं खाना चाहिए। खट्टे फलों के साथ इसे खाने से बचना चाहिए।

अजब-गजब | यहां मनायी जाती है अनोखी परंपरा

मध्य प्रदेश का ऐसा अनोखा गांव, जहां शादी तक नहीं काट सकते लड़कों की चोटी

सीहोर। विविधताओं से भरे मध्य प्रदेश में हर आंचल की अपनी संस्कृति, अपनी मान्यताएं, रीति रिवाज और परंपराएं हैं, जो इसकी खूबसूरती को और आकर्षित बनाती हैं। ऐसे ही सीहोर जिले में एक गांव है, विशनखेड़ा, जहां अनोखी मान्यता है कि जब तक गांव के बच्चे की शादी नहीं हो जाएगी। तब तक वह अपनी चोटी नहीं कटवा सकते हैं। सदियों से इस गांव के लोग परंपरा का निर्वहन करते हुए आ रहे हैं। माना जाता है कि इस गांव में एक सिद्ध संत की गदी है, जिसे देवनारायण बाबा के नाम से जाना जाता है। गांव के लोग उन्हीं की कृपा कहें या फिर खौफ, जिसकी वजह से बरसों से चली आ रही परंपरा को निभा रहे हैं। आज इस गांव में जितने भी छोटे बड़े बच्चे हैं, किसी भी समाज के हैं, सभी अपनी चोटी (शिखा) रखाए हुए हैं। चोटी रखने से बीमार नहीं पड़ते हैं बच्चे

इसके पीछे ग्रामीणों का ऐसा भी मानना है कि जो भी बच्चा अपनी शिखा को रखता है। वह कभी बीमार नहीं पड़ते हैं। साथ ही उसकी आयु भी लंबी हो जाती है। इसलिए कम से कम 21 साल या फिर जब तक शादी नहीं हो जाती, तब तक

ऐसा करना पड़ता है। इसके बाद चाहे तो युवक चोटी को रख सकते हैं और नहीं चाहे तो फिर कटवा लेते हैं।

एम एस मेवाड़ा के मुताबिक जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित इस गांव में एक और मान्यता है, जिसके अनुसार 800 की आबादी वाले इस गांव में हर घर में गाय, भैंस का पालन किया जाता है, लेकिन यहां का दूध किसी को भी बेच नहीं सकते हैं। कुछ लोगों ने बीच में ऐसा करने का प्रयास किया था, तो उनके धन की हनी हो गई थी माना जाता है कि इससे देव बाबा नाराज हो जाते हैं। गांव वालों के द्वारा दूध बचा तो नहीं जाता, लेकिन किसी को जरूरत होती है, तो फ्री में दे देते हैं इससे उनकी गौ रक्षा और गौ सेवा भी प्रदर्शित होती है। इस गांव के लोग शराब भी नहीं पीते कभी लड़ाई

सीएम योगी के बयान पर कांग्रेस सांसद ने किया पलटवार

बेरोजगारों व उनके परिजनों का दर्द नहीं समझती बीजेपी : प्रियंका गांधी

» प्रियंका के बैग को लेकर यूपी में गरमाई सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा इन दिनों लगातार अपने खास बैग को लेकर चर्चा में चल रही है। संसद में फिलिस्तीन लिखा बैग लेकर पहुंचने के बाद प्रियंका गांधी वाड्रा सुर्खियों में आ गई है। इस बैग ने नई राजनीतिक बहस को भी जन्म दे दिया है। संसद में प्रियंका द्वारा बैग ले जाने को लेकर यूपी के सीएम योगी के बयान के बाद कांग्रेस के निशाने पर वो आ गये हैं।

यूपी विधानमंडल के सत्र के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस की नेत्री संसद में फिलिस्तीन का बैग लेकर घूम रही हैं।उनके इस बयान के बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए सीएम योगी पर पलवार किया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि युवाओं को रोजगार के लिए इजराइल के युद्ध क्षेत्र में फेंकना कोई उपलब्धि नहीं बल्कि शर्म की बात है। इससे पहले सदन में बोलते हुए सीएम योगी ने कहा कि विपक्ष ने कई सवाल उठाएं। लेकिन उनके सही तथ्यों को रखना भी उनकी जिम्मेदारी है। सीएम ने कहा कि देश और दुनिया के सामने बेरोजगारी बड़ी चुनौती है। हमारे प्रदेश के सामने भी है।

हमारे होनहार युवा रोजगार के लिए अपनी जान जोखिम में डालने को मजबूर : प्रियंका गांधी

वाड्रा ने एक्स पर हिंदी में लिखा,वे न तो राज्य में बेरोजगारी की स्थिति से अवगत हैं और न ही वे उन युवाओं और उनके परिवारों का दर्द समझते हैं। उन्होंने मीडिया रिपोर्ट भी साझा कीं, जिनमें दावा किया गया है कि इजरायल में काम करने गए युवा बंकरों में छिपकर अपनी जान बचा रहे हैं और कंपनियां उनका शोषण कर रही हैं। प्रियंका गांधी ने कहा, उनके परिवार हमेशा डरे रहते हैं। हमारे होनहार युवा रोजगार के लिए अपनी जान जोखिम में डालने को मजबूर हैं, क्योंकि आप रोजगार नहीं दे सकते। रोजगार के लिए हमारे युवाओं को युद्ध क्षेत्र में फेंकना पीठ थपथपाने वाली बात नहीं बल्कि शर्म की बात है।

विपक्ष का मतलब सिर्फ बुराई करना नहीं : योगी

विपक्ष का मतलब सिर्फ बुराई करना नहीं। अच्छे को अच्छा भी कहिए। अच्छा कहेंगे, अच्छा करेंगे तो आगे अच्छा मिलेगा। प्रदेश में किसी भी नौजवान के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की छूट किसी को नहीं है। कहा कि युवा पढ़ाई करे के बाद खुद को असहाय न महसूस करे। खुद को आत्मनिर्भर समझे। सरकार इसके लिए बराबर कदम उठा रही है। सीएम ने सांसद प्रियंका गांधी पर निशाना साधा। कहा कि कांग्रेस की नेत्री संसद में फिलिस्तीन का बैग लेकर घूम रही हैं। जबकि, हम यूपी के युवाओं को इस्राइल में नौकरी दे रहे हैं। प्रदेश के 5600 से अधिक युवा इस्राइल गए हैं। जहां उन्हें डेढ़ लाख रुपये की सैलरी मिल रही है। रहना-खाना अलग मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विधानसभा में बोलते हुए कहा था कि एक कांग्रेस नेता संसद में 'फिलिस्तीन' लिखा हुआ एक बैग लेकर घूमते देखे गए, जबकि यूपी सरकार युवाओं को अवसरों की तलाश में इजरायल भेज रही है। आदित्यनाथ ने कहा था कि अब तक उत्तर प्रदेश से 5,600 से अधिक युवा निर्माण कार्य के लिए इज़राइल गए हैं। प्रत्येक युवा को वहां 1.5 लाख रुपये मासिक वेतन के अलावा मुफ्त भोजन और आवास मिलता है। सुरक्षा की भी पूरी गारंटी है।

झारखंड सरकार ने केंद्र के खिलाफ खोला मोर्चा

» बकाया राशि देने के लिए शुरू की कानूनी कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड सरकार ने केंद्र सरकार से 1.36 लाख करोड़ रुपये का बकाया वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। यह कोयला बकाया है। झारखंड सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर राजस्व, पंजीकरण और भूमि सुधार सचिव को केंद्र के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया शुरू करने के लिए अधिकृत किया।

गौरतलब है कि पिछले महीने झारखंड सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में भी बकाया वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू करने की बात कही गई थी। अधिसूचना में कहा गया है कि राजस्व, पंजीकरण और भूमि सुधार सचिव को केंद्र से 1.36 लाख करोड़ रुपये बकाया वसूलने के लिए तत्काल कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। कोयले की रॉयल्टी बकाया, सामान्य बकाया आदि और कोल इंडिया की सहायक कंपनियों द्वारा भुगतान में बाधाओं के मामले में, महाधिवक्ता के परामर्श से कदम उठाए जाने चाहिए।

हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया पर की थी अपील

2 नवंबर को सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में भी हेमंत सोरेन ने लिखा था कि, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री झारखंड आ रहे हैं। मैं एक बार फिर उनसे हाथ जोड़कर अनुरोध करता हूं कि वे झारखंडियों को 1.36 लाख करोड़ रुपये का बकाया (कोयला बकाया) चुकाएं। यह राशि झारखंड के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मैं अपने भाजपा सहयोगियों, खासकर सांसदों से भी अपील करूंगा कि वे झारखंडियों को हमारा बकाया दिलाने में मदद करें।% उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बकाया राशि राज्य का अधिकार है और कहा कि निकासी न होने से झारखंड के विकास को नुकसान हो रहा है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की नौ जजों की बेंच ने अपने फैसले में कहा कि राज्य को खनन और रॉयल्टी बकाया वसूलने का अधिकार है।

केंद्र सरकार से नहीं मिल रहा सहयोग : ममता बनर्जी

» बोलीं- अब बंगाल सरकार गंगा सागर तीर्थयात्रियों के लिए पुल बनाएगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार गंगासागर वार्षिक मेला आयोजन स्थल पर मुख्य भूमि को सागर द्वीप से जोड़ने वाली एक नदी पर पांच किलोमीटर लंबा पुल बनाएगी। बनर्जी ने कहा कि केंद्र ने इस संबंध में उनकी बार-बार की गई अपील पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चार लेन वाले पुल के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है। बनर्जी ने प्रस्तावित पुल का नाम 'गंगासागर सेतु' रखा और कहा कि राज्य इसके निर्माण पर 1,500 करोड़ रुपये खर्च करेगा, जिसकी निविदा जारी कर दी गई है। उन्होंने कहा, ''हमने केंद्र सरकार से बार-बार पुल के लिए कहा, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। इसलिए, हमने इसे खुद बनाने का फैसला किया है। अपेक्षित सर्वेक्षण किया गया और परियोजना के लिए डीपीआर तथा निविदा पूरी हो गई। इसे बनाने में चार साल और लग सकते हैं।

प्रचार विभाग उतार रहा अवैध होर्डिंग कर्मचारी कर रहे उससे कमाई

» कबाड़ की दुकानों में बेच रहे लोहे के बोर्ड व होर्डिंग

» नगर निगम कर्मी ही लगा रहे हैं चूना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम वालाकदर कार्यालय के पास शहर भर से अवैध लोहे के बोर्ड उतारकर लाने वाले कर्मचारियों का नया कारनामा सामने आया है। जहां एक ओर नगर निगम प्रचार विभाग शहर भर में लगे अवैध होर्डिंग को हटाने का काम कर रहा है,वही प्रचार विभाग के कर्मचारी लोहे के बोर्डों को कबाड़ी के यहां बेचने का काम कर रहे हैं।

प्रचार विभाग शहर से अवैध प्रचार सामग्री को जब्त कर आर आर में भेजने का काम करता है। पर कन प्रचार विभाग में तैनात कर्मचारी राम करन निगम को नुकसान पहुंचाने का काम कर रहा है। कैसरबाग बारादरी नारी शिक्षा निकेतन के नजदीकी में बनी एक कबाड़ की दुकान जहां कई सालों से प्रचार विभाग का कर्मचारी चोरी कर मोटी कमाई कर अपनी जेब को भरने का काम कर रहा है। 4पीएम की टीम पहुंची कबाड़ी की दुकान पर जहां नगर निगम प्रचार विभाग का कर्मचारी राम करन लोहे के बोर्ड को बेचता हुआ पाया गया। 4पीएम के कैमरे में उसकी तस्वीर को कैद किया । अब लोग यही सवाल कर रहे कि ऐसे कर्मचारियों और चोरी का माल खरीदने वाले कबाड़ी वाले पर कब कार्रवाई होगी।

राम करन, नगर निगम प्रचार विभाग कर्मचारी

अश्विन का इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास

» आईपीएल में सीएसके के लिए खेलते दिखेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ब्रिस्बेन। भारतीय टीम के दिग्गज ऑफस्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंटरनेशनल क्रि केट से से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। गाबा टेस्ट मैच के ड्रॉ होने के बाद रविचंद्रन अश्विन ने क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले के बारे में जानकारी दी है। अब भारत का यह दिग्गज स्पिनर सिर्फ आईपीएल में खेलता दिखेगा। उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स ने अपनी टीम में शामिल किया है।

अविचंद्रन अश्विन बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी पिंक बॉल टेस्ट का हिस्सा थे। उन्हें पर्थ और ब्रिस्बेन में खेलने का मौका नहीं मिला थ। बेहतर है। बता दें कि पांचवें दिन के मैच के बाद, खेल रुकने पर भारतीय टीम के सदस्य ड्रेसिंग रूम में मौजूद थे। इस दौरान का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें अश्विन विराट कोहली को गले लगाते दिख रहे है। इस वीडियो के आने के बाद चर्चा होने लगी कि अश्विन संन्यास ले सकते है। हालांकि मैच के बाद अश्विन ने टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में आकर संन्यास का ऐलान किया।

भारत के लिए कई रिकॉर्ड बना चुके हैं अश्विन

38 साल का यह स्पिनर भारत के लिए कई रिकॉर्ड बना चुका है। वह टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों में सातवें स्थान पर हैं। अश्विन के नाम 106 टेस्ट में 537 विकेट हैं। 59 रन देकर सात विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी है। इस दौरान उनका औसत 24.00 का और स्ट्राइक रेट 50.73 का रहा है। अश्विन टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय में अनिल कुंबले के बाद दूसरे नंबर पर हैं। कुंबले के नाम 619 टेस्ट विकेट थे। अश्विन का एलान चौंकाने वाला है, क्योंकि वह भारतीय सरजमीं पर भारतीय स्पिन अटैक की धार थे। ऑस्ट्रेलिया आकर अचानक से रिटायरमेंट का फैसला लेना चौंकाने वाला है।

दूसरा सबसे ज्यादा फाइव विकेट लेने वाले बॉलर

अश्विन के नाम टेस्ट में 37 फाइव विकेट हॉल है, जो कि किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा है। उनके बाद कुंबले का नंबर आता है। कुंबले ने टेस्ट में 35 बार पारी में पांच विकेट लिए थे। ओवरऑल सबसे ज्यादा पारी में पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन के नाम है। उन्होंने 67 बार ऐसा किया था। अश्विन शेन वॉर्न के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं।

कांग्रेस ने यूपी विस घेरा, सरकार के उड़े होश

नेता व कार्यकर्ताओं की हुई गिरफ्तारी, बस में बैठाकर भेजा गया इको गार्डन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस पार्टी के विधानसभा घेराव के ऐलान के बाद कांग्रेसी नेताओं का लखनऊ में जमावड़ा लग गया। भारी संख्या में पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं के जोश को देखकर योगी सरकार के होश उड़ गए। बता दें इससे पहले राहुल व प्रियंका के सभंल दौरे व राहुल गांधी का हाथरस दौरे से दबाव में आई बीजेपी सरकार आज फिर कांग्रेस के आगे झुकती नजर आई।

कांग्रेस के लोग विस के पास पहुंच न पाएं इसलिए पूरे राजधानी का किले में तब्दील कर दिया गया है। इस दौरान उन्हें रोकने के लिए जिलों में कांग्रेस नेताओं को हाउस अरेस्ट किया जा रहा है और जगह-जगह बैरीकेडिंग कर दी गई है। वहीं, लखनऊ में कांग्रेस कार्यालय के बाहर आरएएफ (रैपिड एक्शन फोर्स) के जवानों की तैनाती कर दी गई है। कांग्रेस कार्यालय के बाहर मौजूद नेताओं की गिरफ्तारी की तैयारी शुरू कर दी है गई। उन्हें बस में बैठाकर इको गार्डेन ले जाया जाएगा।

पुलिस की ओर से भेजे नोटिस में कहा गया है कि विधानसभा का तृतीय सत्र चल रहा है। इसमें घेराव से कानून व्यवस्था व विशिष्ट लोगों की सुरक्षा व्यवस्था के लिये गम्भीर खतरा पैदा हो सकता है। इसलिए निषेधाज्ञा अन्तर्गत धारा-163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता प्रभावी है। ऐसे में कोई घेराव, धरना व शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास किया जाता है तो आपके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी। नोटिस के साथ ही कांग्रेस नेताओं और प्रदेश मुख्यालय पर बैरिकेडिंग कर दी गई है।

फोटो: सुमित कुमार

हमारे कार्यकर्ताओं को मारना चाहती है योगी सरकार : अजय राय

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने योगी सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। राय का कहना है कि म विधानसभा का घेराव करने वाले हैं लेकिन सरकार ने हमे रोकने के लिए नुकीली बैरीकेडिंग की है। ये भाले हमारे कार्यकर्ताओं को गंभीर चोट पहुंचाएंगे। ऐसा पहली बार हो रहा है। ये सरकार हमारे कार्यकर्ताओं को मारना चाहती है। गाजीपुर बॉर्डर पर हमारे कार्यकर्ताओं को रोका जा रहा है लेकिन हम इस सबके बाद भी विधानसभा में प्रवेश करेंगे। उन्होंने कहा कि जैसे मोदी सरकार ने किसानों को रोकने के लिए कांटों की दीवार खड़ी की थी वैसे ही योगी सरकार ने विधानसभा घेरने जाने वाले कांग्रेसजनों की राहों पर कांटे बिछा दिए हैं। किंतु इस कायराना हरकत से हम डरने वाले नहीं हैं। ना ही ये कांटों वाले ऊंचे-ऊंचे बैरिकेड्स हमारे हौसले और हिम्मत को डिगा पाएंगे। हम इन कांटों को फूल समझकर अपने लक्ष्य की ओर बढ़ेंगे। हर हाल में हम विधानसभा का घेराव करके ही रहेंगे।

कांग्रेस कार्यालय की ओर जाने वाली सड़क को बंद किया गया

लखनऊ में विधानसभा घेराव को लेकर कांग्रेस कार्यालय की ओर जाने वाली सड़क को बन्द कर दिया गया। इसकी वजह से लाल बत्ती चौराहे से लोहिया पथ की ओर यातायात धीमी गति से चलता रहा। विधानसभा घेराव के पहले पुलिस ने मध्य जोन महिला कांग्रेस की अध्यक्ष ममता चौधरी को गिरफ्तार किया। उनके साथ हुई धक्कामुक्की की गई है। उधर लखनऊ अयोध्या, बाराबंकी बहराइच हाईवे पर नाकेबंदी कर दी गई, वहीं कांग्रेस पदाधिकारियों को उनके घर पर नजर बंद करने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। कंपनी बाग में कांग्रेस जिला अध्यक्ष मो. मोहसिन समेत कई लोग गिरफ्तार कर लिए गए। रायबरेली से कांग्रेसी नेता सुबह से लखनऊ के लिए चल पड़े लेकिन विभिन्न चेकपोस्ट पर पुलिस ने नेताओं की धरपकड़ कराई। विभिन्न थाना क्षेत्रों में कांग्रेसी नेताओं को घर से बाहर से ही पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर दिया।

घेराव से पहले कांग्रेस नेताओं के घर पर पुलिस ने डाला डेरा

बुधवार को विधानसभा घेराव से पहले कांग्रेस नेताओं और पदाधिकारियों के घरों पर पुलिस ने छापेमारी शुरू कर दी है। शहर कांग्रेस के कई नेता घर छोड़कर इधर उधर छिप गए हैं। पुलिस ने उनके घरों पर नोटिस भी चस्पा कर दी गई है। शहर कांग्रेस उत्तरी के निवर्तमान अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी के घर के बाहर पुलिस का पहरा बैठा है। पूर्व पार्षद और प्रदेश कांग्रेस के सचिव शैलेंद्र तिवारी के घर पर भी पुलिस ने छापा मारा है और नोटिस जारी की है। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता अंशू अवस्थी के आईआईएम रोड स्थित घर पर भी पुलिस ने छापा मारा है और नोटिस चस्पा किया है। निवर्तमान जिलाध्यक्ष वेदप्रकाश त्रिपाठी को भी पुलिस तलाश रही है। शहर और जिला कांग्रेस के एक दर्जन से अधिक पदाधिकारी प्रदेश मुख्यालय पर डट गए हैं। निवर्तमान प्रदेश महिला कांग्रेस की मध्य जोन की अध्यक्ष ममता चौधरी कोभी पुलिस तलाश रही है।

महाकुंभ आयोजन के लिए हो रहे सरकारी खर्च पर मायावती का सवालिया निशान!

» बसपा सुप्रीमो बोलीं- गरीबी से राहत की योजनाएं चलाए सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कुंभ पर खर्च किये जा रहे सरकारी धन के व्यय पर सवालिया निशान लगाते हुए कहा है कि सरकार गरीबों के लिए योजनाएं चलाए यहीं महाकुंभ का तोहफा होगा। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने विधानसभा सत्र में सरकार से गरीबी से राहत की योजनाएं चलाने की अपील की है। साथ ही कहा कि अगर ऐसा होता है तो ये प्रयागराज में हो रहे महाकुंभ का बड़ा उपहार होगा।

बसपा मुखिया मायावती ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच

एक्स के माध्यम से लिखा कि यूपी में भी गरीबी, बेरोजगारी व महंगाई आदि से त्रस्त लोगों के हितों में यहां चल रहे विधानसभा सत्र में सरकार को कुछ ऐसी योजनाओं को भी शुरू करना चाहिए जिससे इनको थोड़ी राहत मिल सके। उन्होंने आगे कहा कि ऐसा किए जाने पर फिर सरकार का यहां प्रयागराज के महाकुंभ का इनके लिए बहुत बड़ा उपहार होगा। इससे फिर इनको कुछ हद तक राहत जरूर मिलेगी। इनकी ओर से पार्टी की यह खास अपील। ज्ञात हो कि प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन बड़े स्तर पर किया जाता है। इस बार महाकुंभ की शुरुआत 13 जनवरी से हो रही है। वहीं, इसका समापन 26 फरवरी को होगा। प्रयागराज में शुरू होने जा रहा महाकुंभ का विशेष महत्व है, क्योंकि प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती का मिलन होता है। यह संगम विश्वभर में प्रसिद्ध है। हर 12 वर्ष पर विशेष रूप से चार स्थानों प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में आयोजित होता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस आयोजन में पवित्र नदियों में स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।

किसानों को साथ लेकर पीएम मोदी से मिले पवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के बीच सदन में एक तरफ जहां हंगामा बुधवार को भी जारी रहा वहीं दूसरी तरफ संसद भवन में बने पीएम कार्यालय में शरद पवार की मौजूदगी को लेकर एक बार फिर तरह-तरह की अटकलें लगाई जाने लगीं।

दअरसल, अलग-अलग तरह की अटकलें लगाए जाने की वजह थी पीएम मोदी से उनकी मुलाकात। जैसे ही ये जानकारी निकलकर सामने आई की शरद पवार पीएम मोदी से मुलाकात करने आए हैं, वैसे ही तरह-तरह के कयास लगाए जाने का दौर सा शुरू हो गया। हालांकि, कुछ देर बाद ही शरद पवार ने ये साफ कर दिया है कि पीएम मोदी की उनकी इस मुलाकात को किसी भी तरह से राजनीति से जोड़कर ना देखा जाए। उन्होंने बताया कि वह पीएम मोदी को एक कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए आए थे और ये मुलाकात भी उसी संदर्भ में थी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।